



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्रतिधिकार से प्रकाशित,
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 236] नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 15, 1987/वैशाख 25, 1909
No. 236] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 15, 1987/VAISAKHA 25, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Faging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation.

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय
(नौवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 15 मई, 1987

अधिसूचना

(वाणिज्यिक नौवहन)

का.सं. 484(अ):—केन्द्रीय सरकार, नाविकों के लिये राष्ट्रीय कल्याण
बोर्ड नियम, 1963 के नियम 3 और 4 के साथ पठित वाणिज्यिक नौवहन
अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 218 की उपधारा (1) द्वारा

प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस मंत्रालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16 जून, 1986 के क्रम में जहाज मालिकों के प्रति निधि श्री टी.एस. नारायण के स्थान पर श्री वी.एम. जोग को शामिल करती है।

[फा.सं. एस डब्ल्यू/एम डब्ल्यू एस(33)/85-एम.टी.]

जे.सी. पंत, अवर सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

New Delhi, the 15th May, 1987

NOTIFICATION

(MERCHANT SHIPPING)

S.O. 484 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 218 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), read with rules 3 & 4 of the National Welfare Board for Seafarers Rules, 1968 and in continuation of this Ministry's notification of even No. dated 16th June, 1986, the Central Government hereby include Shri V. M. Jog as the representative of shipowners in place of Shri T. S. Narayan.

[F. No. SW/MWS (33)/85-M1]

J. C. PANT, Under Secy.